यूरोफ्लोमेट्री

महिलाओं हेतु

यह जाँच क्या है?

जब रोगी अपने मूत्र त्याग करने में होने वाली परेशानी को बताते हैं तो मात्र रोगी के लक्षण सुन कर उनकी गम्भीरता का स्तर भली-भांति नहीं जाना जा सकता। रोगी का मूत्र प्रवाह किस प्रकार हो रहा है, अब यह एक कम्प्यूटरीकृत मशीन द्वारा एक ग्राफ तथा आँकड़ों के रूप में जाना जा सकता है। क्योंकि यह प्रणाली रोगी के मूत्र प्रवाह को नापती है, अत: इसे 'यूरोफ्लोमेट्री' कहते है।

इस जाँच की आवश्यकता कब होती है?

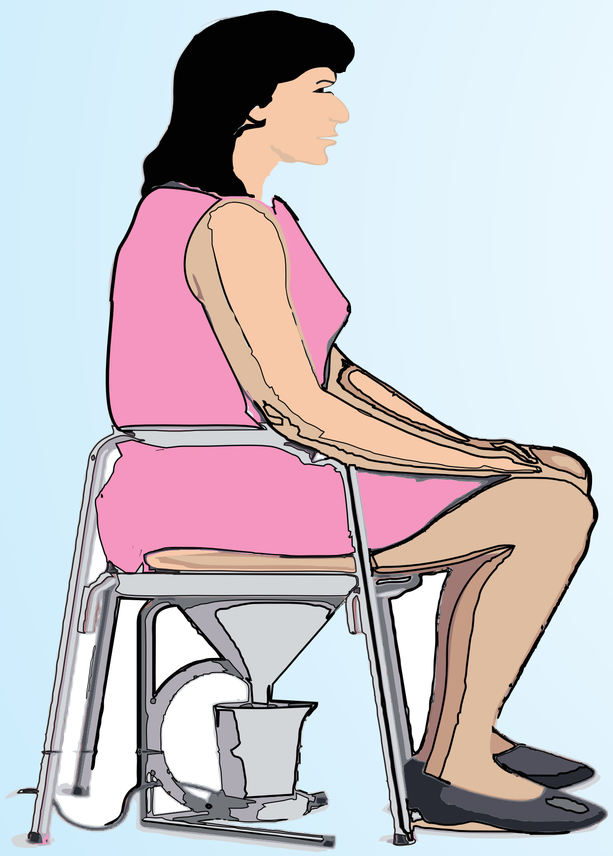

कोई भी महिला अपने मूत्र प्रवाह का रिकार्ड यूरोफ्लोमेट्री द्वारा प्राप्त कर सकती हैं। आमतौर पर हम यह जाँच निम्न परिस्थितियों में करवाते हैं :—

- महिलाओं द्वारा मूत्र त्याग में रूकावट बताने पर।
- मूत्र नली के सिकुड़न के रोगियों में इलाज की सफलता निर्धारित करने हेतु।
- मधुमेह एवं न्यूरोलॉजी रोगों (जैसे फालिज, पारकिन्सोनिज्म, कमर में चोट आदि) द्वारा मूत्राशय की कार्य क्षमता में आये परिवर्तन को परखने हेतु।

यह जाँच कैसे करी जाती है?

- यह जाँच एकांत में करी जाती है एवं महिलाओं की जाँच करते समय एक महिला परिचायिका साथ में रहती है।
- आपको एक कमोड में मूत्र त्याग करने के लिए कहा जायेगा, अतः आप यह जाँच कराने के लिये आने से पहले दो या तीन गिलास पानी या कोई तरल पदार्थ पी कर आयें एवं मूत्र को थोड़ा रोक कर रखें।
- जब आप को मूत्र त्याग करने की इच्छा हो तब टैक्नीशियन को बतायें। इस जाँच के दौरान आपका मूत्राशय आवश्यकता से अधिक भरा नहीं होना चाहिए। यदि आप अधिक देर तक मूत्र रोके रहेंगी तो मूत्राशय की माँसपेशियां अत्याधिक खिंच जाने से शिथिल पड़ जायेंगी और आपका यूरोफ्लो रिकार्ड

SAWAI MAN SINGH HOSPITAL

यूरोलॉजी विभाग

सवाई मान सिंह चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर

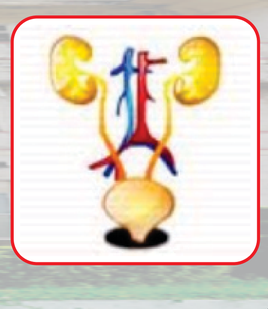

वास्तविकता से भिन्न होगा।

- कृपया इस जाँच को करने में जल्दबाजी न करें। आपको इस जाँच के लिये कम से कम 150–200 मिली0 मूत्र त्याग करना आवश्यक है।
- महिलाओं को कमोड सीट पर बैठकर मूत्र त्याग करना होगा।
- कमोड पर बैठ जाने पर जब आपको टैक्नीशियन संकेत दे तो ही आप मूत्र त्याग करना प्रारम्भ करें।
- मूत्र त्याग करते समय आप किसी तनाव में न रहे एवं एकदम सामान्य होकर मूत्र त्याग करें।
- कृपया सम्पूर्णतयः मूत्र–त्याग करने का प्रयास करें।
- जैसे ही आप मूत्र त्याग करना समाप्त करेंगी मशीन स्वतः रूक जायेगी।
- मूत्र त्याग समाप्त होने पर कृपया मशीन में कोई पानी न डालें, अन्यथा आपका रिकार्ड त्रुटिपूर्ण हो जायेगा। यदि आप मूत्र त्याग के पश्चात् जननांगों को धोना चाहती हैं तो यह अलग से जाँच पूर्ण हो जाने के बाद टैक्नीशियन से पूछ कर करें।
- जाँच समाप्त होते ही कम्प्यूटर आपके मूत्र प्रवाह के आकड़ों को जोड़कर एक यूरोफ्लो ग्राफ बना देता है जिस पर सम्पूर्ण जानकारी सक्षिप्त में अंकित हो जाती है।

यूरोफ्लोमेट्री ग्राफ के नमूने

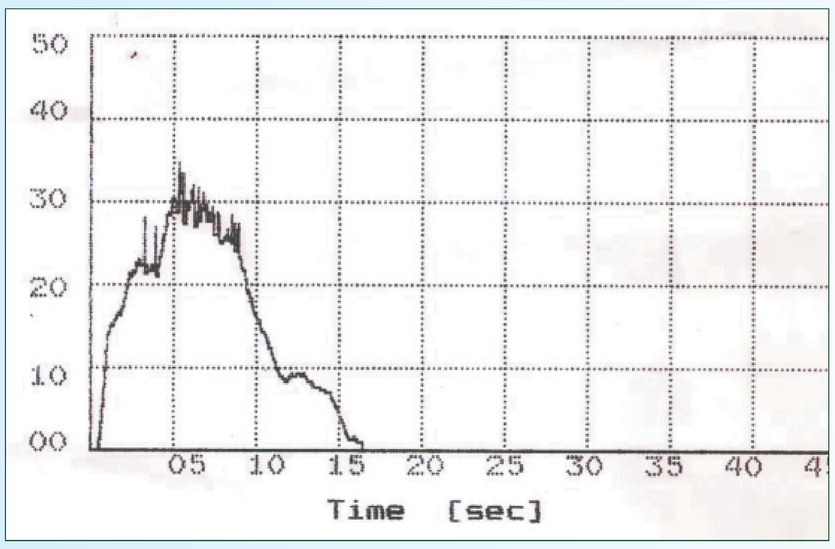

सामान्य ग्राफ

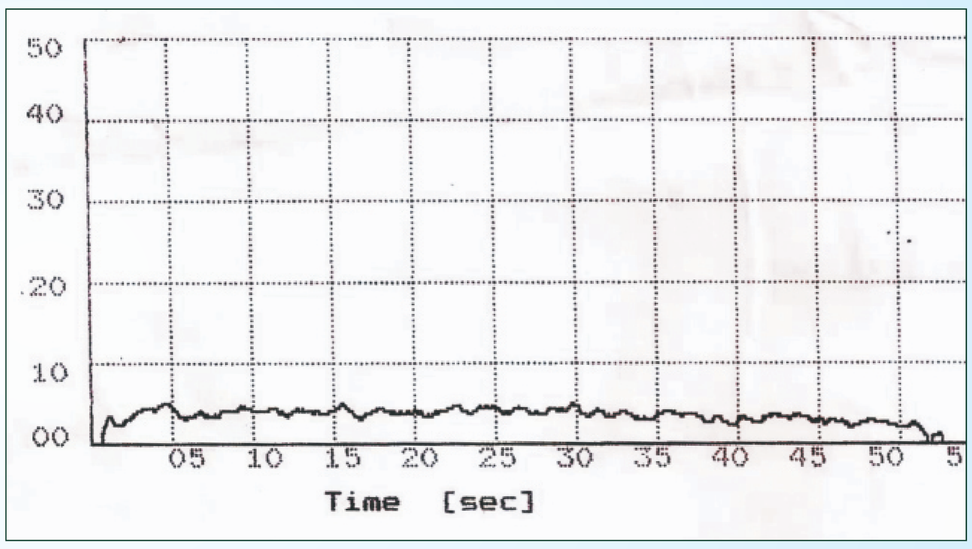

मूत्र नली में रूकावट होने से बना ग्राफ

जाँच के पहले या दौरान क्या सावधानियां बरतें?

- जांच के दौरान आपको कब्ज नहीं होना चाहिये। यह आपके जाँच परिणामों पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है।
- यदि आपको मूत्राशय में संक्रमण है तो आप समुचित मात्रा में मूत्र को नहीं रोक पायेंगी। बेहतर होगा कि जब आपका संक्रमण थोड़ा ठीक हो तब ही ये जाँच करें।
- जाँच हेतु मूत्र त्याग वैसे ही करें जैसा आप सामान्य परिस्थितियों में करती हैं। जोर लगा कर मूत्र त्याग को बेहतर बनाने का प्रयास कर अपने रोग को न छुपायें।
- जैसा कि पहले भी बताया है, जाँच कराने हेतु आवश्यकता से अधिक पानी न पियें एवं अत्याधिक देर तक मूत्र न रोकें।

जाँच के बाद क्या हो सकता है?

- आप को बार–बार मूत्र त्याग करने की इच्छा हो सकती है। ऐसा होने का मुख्य कारण जाँच से ठीक पहले अधिक मात्रा में पीया गया पानी है न कि जाँच के कारण आपके रोग का बढ़ जाना।